हिंदी सप्ताह

आत्ममंथन

अंग्रेज़ी पढ़ि के जदपि सब गुन होत प्रबीन।
पै निज भाषा ज्ञान बिन,रहत हीन के हीन।।

इन्हीं पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए आई•टी•एल विद्यालय के प्रांगण में दिनांक **1** से **5** अगस्त तक अनेक रोचक एवं प्रभावशाली गतिविधियों का आयोजन करते हुए हिंदी व संस्कृत सप्ताह मनाया गया।पूरे सप्ताह अत्यधिक रोचक गतिविधियों में छात्रों ने भाग लिया ।सर्वप्रथम कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने **कविता वाचन** किया एवं सभी ने उनकी भूरि- भूरि प्रशंसा की,छात्रों की कविताओं ने वास्तव में ही सभी के अंतर्मन के तारों को झंकृत किया।द्वितीय दिवस कक्षा सातवीं के छात्रों ने नारी शक्ति,ऊर्जा संरक्षण ,पर्यावरण आदि आज के ज्वलंत विषयों पर अत्यंत रोचक व मनमोहक **स्लोगनों का निर्मा**ण किया।तृतीय दिवस कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने सावन मनभावन विषय पर स्वरचित कविता का निर्माण किया।कार्यक्रम के समापन समारोह में हिंदी भाषा के प्रति छात्रों को सजग करने ,उनकी रूचि जागृत करने हेतु माननीय श्री संजय अग्रवाल जी द्वारा एक रूचिकर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने एक कुशल कमेंटेटर किस प्रकार बन सकते हैं इस पर अपने विचार अत्यंत प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किए।उनके स्वागतार्थ एक मनमोहक एवं रंगारंग कार्यक्रम पस्तुत किया गया जिसमें संगीत एवं नृत्य समाहित थे।एक कुशल वक्ता होने के साथ ही साथ भाषा पर मज़बूत पकड़ एवं भाषा की मधुरता, उसका लालित्य एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।साथ ही साथ खेल के विषय में पूरी जानकारी ,प्रतिदिन के समाचारों से अवगत होना ,व्यवहार कुशलता ,प्रत्येक पग पर सजगता का निर्वाह,सही आंकड़ों पर मज़बूत पकड़ ये कुछ अनिवार्य बिंदु हैं जिनका ध्यान रखते हुए एक कुशल कमेंटेटर बनने में समर्थ हुआ जा सकता है।कक्षा चतुर्थ के छात्रों ने एक अत्यंत भावपूर्ण नृत्य नाटिका का प्रस्तुतिकरण किया।

साथ ही बच्चों को आज़ादी दिया जाना कहाँ तक उचित है इस पर रोचक एवं तर्कपूर्ण शैली में कक्षा नवीं व दसवीं के छात्रों ने वाद -विवाद प्रस्तुत किया।स्वतंत्रता स्वच्छंदता में तब्दील न हो इस पर अभिभावकों को ध्यान देना अपेक्षित है ।आज के दैनिक जीवन से उदाहरण देते हुए छात्रों ने कुशलता पूवर्क अपनी भूमिका का निर्वाह किया।हम सभी इस बात से अवगत हैं कि हिंदी विश्व की तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा रही है और इस दृष्टि से यह अत्यंत सरल ,सहज एवं ग्राहय बन चुकी है। संपूर्ण विश्व में आज हिंदी बोलने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है।इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यालय में, देश में व राष्ट्र में हिंदी का महत्व निस्संदेह बढ़ेगा।

हिंदी सप्ताह
वाद- विवाद प्रतियोगिता

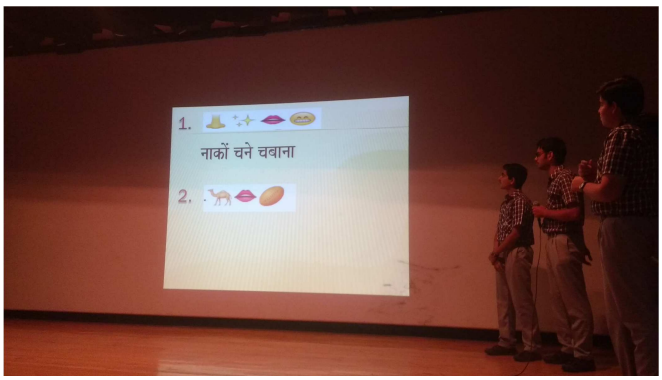
1.
नाकों चने चबाना
2.

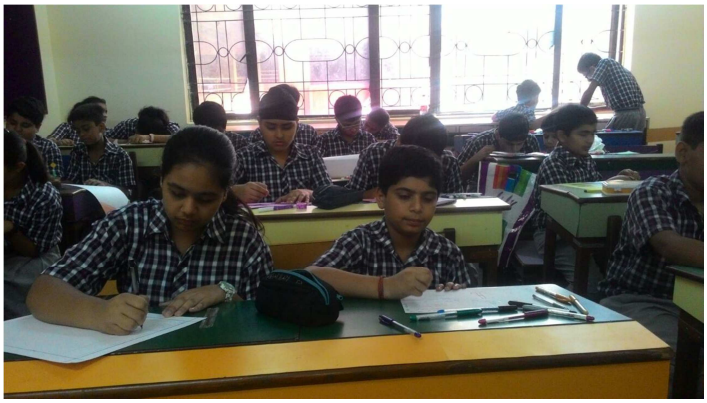

हिंदी सप्ताह
२ अगस्त २०१६
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ
हरा भरा
अलंकरण
अलंकरण
हरे भरे जहाँ फैले हैं
धरती का स्वर्ग है वहाँ

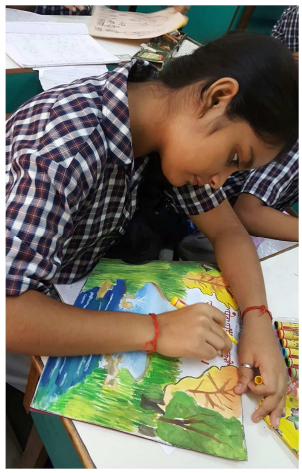

हिंदी सप्ताह
२ अगस्त २०१६